प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज
संस्कृत विभाग

उत्तर प्रदेश उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्राप्त अधिसूचना तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार स्नातक (B.A.) संस्कृत पाठ्यक्रम तीन वर्ष एवं 6 सत्रार्द्धों (Semesters) का विषय-क्रम निम्नलिखित है-

१. तीन मुख्य विषय
२. व्यावसायिक (प्रोफेशनल प्रथम माइनर) पाठ्यक्रम
३. पेशेवर (वोकेशनल द्वितीय माइनर) पाठ्यक्रम
४. सह शैक्षणिक पाठ्यक्रम

कक्षा बारहवीं के बाद उच्च शिक्षा कार्यक्रम के पहले वर्ष में प्रवेश लेने के लिये इच्छुक छात्र को प्रथम वर्ष के लिये दो मुख्य (Major) विषयों के साथ एक संकाय का चुनाव करना होगा। इस चुनाव के लिये संकाय विशेष के सन्दर्भ में पूर्व पात्रता (Pre-requisites) की आवश्यकता होगी। दो मुख्य विषयों के अलावा उन्हें प्रत्येक सेमेस्टर में किसी अन्य संकाय के एक और मुख्य (Major) विषय का चुनाव करना होगा और इसके साथ ही एक गौड़ विषय किसी अन्य संकाय से व्यावसायिक पाठ्यक्रम के रूप में तथा पेशेवर विषय अपनी अभिरुचि के अनुसार तथा एक आवश्यक सह-शैक्षणिक पाठ्यक्रम का चयन करना होगा। स्नातक कार्यक्रम के पहले तीन वर्षों में 06 सह-शैक्षणिक पाठ्यक्रम पूर्ण किये जाने हैं जो कि प्रत्येक 02 क्रेडिट के होंगे। यह पाठ्यक्रम सभी स्नातक के छात्रों के लिये उपलब्ध एवं अनिवार्य होंगे। इन सह-शैक्षणिक पाठ्यक्रमों की परीक्षा ओ.एम.आर. शीट बहुविकल्पीय प्रश्नों के आधार पर होगी। प्रस्तावित पाठ्यक्रम अधोलिखित है-

नई शिक्षा नीति 2020
उच्च शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ के अनुरूप
प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज के संस्कृत विभाग द्वारा प्रस्तावित
स्नातक संस्कृत पाठ्यक्रम
(प्रथम तीन वर्षों के लिये)

बी.ए. प्रथम वर्ष

प्रथम सेमेस्टर-	संस्कृत पद्य साहित्य एवं व्याकरण	कोड- A020101T
द्वितीय सेमेस्टर-	संस्कृत गद्य साहित्य एवं अनुवाद एवं संगणक अनुप्रयोग	कोड- A020201T

बी.ए. द्वितीय वर्ष

तृतीय सेमेस्टर-	संस्कृत नाटक एवं व्याकरण	कोड- A020301T
चतुर्थ सेमेस्टर-	काव्यशास्त्र एवं संस्कृत लेखन कौशल	कोड- A020401T

बी.ए. तृतीय वर्ष

पंचम सेमेस्टर-	प्रथम प्रश्नपत्र- वैदिक वाङ्मय एवं भारतीय दर्शन	कोड- A020501T
	द्वितीय प्रश्नपत्र- व्याकरण एवं भाषाविज्ञान	कोड- A020502T
षष्ठ सेमेस्टर-	प्रथम प्रश्नपत्र- आधुनिक संस्कृत साहित्य	कोड- A020601T
	अथवा	
	द्वितीय प्रश्नपत्र- (वैकल्पिक) योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा	कोड- A020602T
	अथवा	
	तृतीय प्रश्नपत्र- (वैकल्पिक) आयुर्वेद एवं स्वास्थ्य विज्ञान	कोड- A020603T
	अथवा	
	चतुर्थ प्रश्नपत्र- (वैकल्पिक) भारतीय वास्तुशास्त्र	कोड- A020604T
	अथवा	
	पंचम प्रश्नपत्र- (वैकल्पिक) ज्योतिषशास्त्र के मूलभूत सिद्धान्त	कोड- A020605T
	अथवा	
	षष्ठ प्रश्नपत्र- (वैकल्पिक) नित्यनैमित्तिक अनुष्ठान	कोड- A020606T

उपर्युक्त वैकल्पिक प्रश्नपत्रों में से कोई एक

विषय- संस्कृत (स्नातक स्तर)
Programme Outcomes (POs)

- विद्यार्थियों को लेखन, वाचन एवं अध्ययन की दृष्टि से भाषागत दक्षता प्राप्त होगी।
- सहज एवं स्वाभाविक रूप से भाषागत पारंगता प्राप्त कर उनमें प्रभावशाली अभिव्यक्ति की क्षमता उत्पन्न होगी।
- आत्मविश्वास से युक्त एवं नेतृत्व क्षमता के धारक होंगे।
- नैतिक एवं चारित्रिक दृष्टि से मूल्यवान् व्यक्तित्वधारी होकर भारतीयता के बोध के साथ वैश्विक नागरिक के रूप में भावी चुनौतियों का सामना करने में सक्षम होंगे।

Programme Specific Outcomes (PSOs)

- सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषा के रूप में संस्कृत भाषा के प्राचीन महत्त्व एवं उसकी वर्तमान प्रासङ्गिकता को जानने-समझने योग्य होंगे।
- संस्कृत साहित्य की विभिन्न विधाओं (गद्य, पद्य, नाटक, व्याकरण इत्यादि) से सुपरिचित माध्यम से अभिव्यक्ति कौशल का विकास होगा।
- आयुर्वेद, वास्तुशास्त्र, ज्योतिष, नित्यनैमित्तिक कर्मकाण्ड इत्यादि के माध्यम से जीविकोपार्जन के योग्य बनेंगे।
- वैदिक एवं लौकिक संस्कृत साहित्य की समृद्धता एवं तद्निहित नैतिकता व आध्यात्मिकता को अनुभूत कर भारतीय संस्कृति के महत्त्व को वैश्विक स्तर तक पहुँचाने में सक्षम होंगे।
- धर्म-दर्शन, आचार-व्यवहार, नीतिशास्त्र एवं भारतीय संस्कृति के मूल तत्त्वों को जानकर उत्तम चरित्रवान् एवं कुशल नागरिक बनेंगे।
- समसामयिक समस्याओं के समाधान के रूप में संस्कृत साहित्य में निबद्ध सर्वाङ्गीणता के प्रति शोधपरक दृष्टि का विकास होगा।

Programme / Class : Certificate कार्यक्रम / वर्ग / सर्टिफिकेट	Year : First वर्ष : प्रथम	Semester : I सेमेस्टर प्रथम
विषय : संस्कृत		
प्रश्नपत्र कोड : A020101T	**प्रश्नपत्र का शीर्षक : संस्कृत पद्य साहित्य एवं व्याकरण**	

Course Outcomes : अधिगम उपलब्धि

- विद्यार्थी संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त कर काव्य के विभिन्न भेदों से परिचित हो सकेंगे।
- वह संस्कृत पद्य साहित्य की सुगीतात्मकता का सौंदर्यबोध कर सकेंगे।
- उनमें काव्य में प्रयुक्त रस, छंद, अलंकारों को समझने की क्षमता विकसित होगी।
- पद्य में निहित सूक्तियों एवं सुभाषित वाक्यों के माध्यम से उनमें नैतिक एवं चारित्रिक उन्नयन होगा।
- विद्यार्थियों के शब्दकोश में वृद्धि होने के साथ-साथ वह संस्कृत श्लोकों के शुद्ध और सस्वर उच्चारण के कौशल में निपुण बनेंगे।
- संस्कृत व्याकरण का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर उसकी वैज्ञानिकता से सुपरिचित हो सकेंगे।
- संस्कृत वर्णों के शुद्ध उच्चारण का कौशल विकास होगा।
- स्वर एवं व्यञ्जन के मूल भेद को समझकर पृथक् अर्थावगमन की क्षमता उत्पन्न होगी।
- स्वर, व्यञ्जन एवं विसर्ग संधि का विशिष्ट ज्ञान एवं उनके अनुप्रयोग का कौशल विकसित होगा।

Credits : 6	Core Compulsory
Max. Marks : 25 +75	Min. Passing Marks :

Total No. of Lecture-Tutorial-Practical (in hours per week) : L-T-P : 6-0-0

Unit ईकाई	Topics पाठ्य-विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
	प्रथम भाग (PART - 1)	
I	**क** : संस्कृत वाङ्मय में पारंपरिक ज्ञान-विज्ञान एवं राष्ट्र गौरव - वैदिक और लौकिक संस्कृत साहित्य में भारतीय दर्शन, भूगोल एवं खगोल, गणित, ज्योतिष तथा वास्तु, योग, आयुर्वेद, अर्थशास्त्र, विज्ञान, संगीत इत्यादि का सामान्य परिचय	4
	ख - संस्कृत काव्य का सामान्य परिचय एवं पद्य काव्य की परम्परा प्रमुख आचार्य- महाकवि वाल्मीकि, महाकवि वेदव्यास, महाकवि कालिदास, महाकवि भारवि, महाकवि माघ, श्रीहर्ष एवं जयदेव	8
II	किरातार्जुनीयम् - प्रथम सर्ग (संपूर्ण) (व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न)	12
III	कुमारसम्भवम्- प्रथम सर्ग (श्लोक संख्या 1 से 25) (व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न)	11
IV	नीतिशतकम्- प्रथम सर्ग (श्लोक संख्या 1 से 25) (अर्थ एवं मूल्यपरक प्रश्न)	10
	द्वितीय भाग (PART - 2)	
V	संज्ञा प्रकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी)	12
VI	अच् संधि (सूत्र व्याख्या एवं सूत्र निर्देशपूर्वक संधि एवं संधि-विग्रह)	12
VII	हल् संधि (सूत्र व्याख्या एवं सूत्र निर्देशपूर्वक संधि एवं संधि-विग्रह)	11
VIII	विसर्ग संधि (सूत्र व्याख्या एवं सूत्र निर्देशपूर्वक संधि एवं संधि-विग्रह)	10

संस्तुत ग्रन्थ :

- किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग), डॉ. राजेन्द्र मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद
- किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग), प्रो. रामसेवक दूबे, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद
- किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग), डॉ. जनार्दन शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास पब्लिकेशन, दिल्ली
- किरातार्जुनीयम् महाकाव्य, अनु. श्रीरामप्रताप त्रिपाठी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- कुमारसंभवम् (प्रथम सर्ग), डॉ. उमेश चन्द्र पांडे, प्राच्य भारतीय प्रकाशन, गोरखपुर
- कुमारसम्भवम् (प्रथम सर्ग), श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
- नीतिशतकम्, भर्तृहरि (व्या.) सावित्री गुप्ता, विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली, 2008
- नीतिशतकम्, भर्तृहरि (व्या.) राकेश शास्त्री, परिमल पब्लिकेशन, दिल्ली, 2003
- नीतिशतकम्, समीर आचार्य, प्राच्य भारती प्रकाशन, गोरखपुर
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, डॉ. बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखम्बा भारती अकादमी, वाराणसी, पुनर्मुद्रित 2012
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, वाचस्पति गैरोला, चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी, पंचम संस्करण 1997
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, वरदराज भैमी व्याख्या, भीमसेन शास्त्री (1-6 भाग), भैमी प्रकाशन, दिल्ली 1993
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, डॉ. उमेशचन्द्र पांडे, चौखम्बा प्रकाशन
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, (संज्ञा, संधि प्रकरण), डॉ. वेदपाल, साहित्य भण्डार, मेरठ
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, डॉ. रामकृष्ण आचार्य, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा

This Course can be opted as an elective by the students of following subjects :
सभी के लिये उपलब्ध (OPEN TO ALL)
……

प्रस्तावित सतत मूल्यांकन

(क) पाठ्यक्रम में निर्धारित ग्रन्थों पर आधारित अधिन्यास (असाइनमेंट) : 15 अंक

- संस्कृत श्लोकों के शुद्ध उच्चारण की प्रायोगिक / मौखिक परीक्षा

एवं

- माहेश्वर सूत्र एवं प्रत्याहार निर्माण विषयक परियोजना कार्य एवं मौखिकी

(ख) लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ / लघु उत्तरीय) 10 अंक

Course prerequisites :

सभी के लिये उपलब्ध (OPEN TO ALL)

……

Suggested equivalent online courses :

……

Further Suggestions :

……

Programme / Class : Certificate कार्यक्रम / वर्ग / सर्टिफिकेट	Year : First वर्ष : प्रथम	Semester : II सेमेस्टर द्वितीय
विषय : संस्कृत		
प्रश्नपत्र कोड : A020201T	**प्रश्नपत्र का शीर्षक : संस्कृत गद्य साहित्य, अनुवाद एवं संगणक अनुप्रयोग**	

Course Outcomes : अधिगम उपलब्धि

- विद्यार्थी संस्कृत गद्य साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त कर काव्य के विभिन्न भेदों से परिचित हो सकेंगे।
- सम्बन्धित साहित्य के माध्यम से उनका नैतिक एवं चारित्रिक उत्कर्ष होगा।
- राष्ट्रभक्ति की भावना प्रबल होगी तथा उत्तम नागरिक बनेंगे।
- अनुवाद कौशल में वृद्धि होगी।
- संस्कृत गद्य के धाराप्रवाह एवं शुद्ध वाचन का कौशल विकसित होगा।
- विद्यार्थी संगणक का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर, अधिगम क्षमता में वृद्धि हेतु इसका उपयोग कर सकने में सक्षम होंगे।
- ई-कन्टेन्ट एवं डिजिटल लाइब्रेरी का उपयोग कर पाने में समर्थ होंगे।
- संस्कृत भाषा और साहित्य के नित-नूतन अन्वेषण को खोज पाने तथा उससे स्वज्ञानकोष में वृद्धि कर पाने योग्य होंगे।
- पारम्परिक एवं वैश्विक ज्ञान में सामंजस्य बनाकर ज्ञान की अभिवृद्ध करने एवं जीविकोपार्जन के नए मार्ग खोजने का कौशल विकसित होगा।

Credits : 6	Core Compulsory
Max. Marks : 25 +75	Min. Passing Marks :

Total No. of Lecture-Tutorial-Practical (in hours per week) : L-T-P : 6-0-0

Unit ईकाई	Topics पाठ्य-विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
	प्रथम भाग (PART - 1)	
I	गद्य साहित्य का उद्भव एवं विकास : प्रमुख साहित्यकार- बाणभट्ट, दण्डी, सुबन्धु, शूद्रक, अम्बिकादत्तव्यास, पण्डिता क्षमाराव	11
II	शुकनासोपदेश (व्याख्या)	12
III	शिवराजविजयम्- प्रथम निःश्वास (व्याख्या)	12
IV	उपर्युक्त दोनों ग्रन्थों से सम्बन्धित समीक्षात्मक प्रश्न	10
	द्वितीय भाग (PART - 2)	
V	अनुवाद- हिन्दी से संस्कृत में (नियम निर्देश पूर्वक)	12
VI	अनुवाद- संस्कृत (अपठित) से हिन्दी अथवा अंग्रेजी में	11
VII	कम्प्यूटर का सामान्य परिचय, संस्कृत की दृष्टि से कम्प्यूटर की उपयोगिता, विभिन्न सॉफ्टवेयर कम्प्यूटर से संस्कृत-हिन्दी लेखन हेतु उपयोगी टूल्स- यूनिकोड, गूगल इनपुट टूल, गूगल असिस्टेंट एवं वॉइस टाइपिंग आदि	12
VIII	इन्टरनेट का प्रयोग एवं वेब सर्च- ई टेक्स्ट, ई-बुक्स, ई रिसर्च जनरल, ई मैगजीन, डिजिटल लाइब्रेरी ऑनलाइन टीचिंग लर्निंग प्लेटफार्म- जूम, टीम, मीट, वेबैक्स ऑनलाइन लर्निंग एवं रिसर्च प्लेटफार्म- स्वयं, मूक, ई-पाठशाला, डेलनेट, इनफ्लाइब्नेट, शोधगंगा, गूगल स्कॉलर आदि	10

संस्तुत ग्रन्थ :

- शुकनासोपदेश, बाणभट्ट (संपा.) चन्द्रशेखर द्विवेदी, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा, प्रथम संस्करण 1986-87
- शुकनासोपदेश, रामनाथ शर्मा सुमन, साहित्य भण्डार, मेरठ
- शुकनासोपदेश, डॉ. महेश कुमार श्रीवास्तव, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
- शुकनासोपदेश (कादम्बरी) डॉ. उमेशचन्द्र पांडे, प्राच्य भारतीय संस्थान, गोरखपुर
- शिवराजविजयम्, अम्बिकादत्त व्यास, (संपा.) शिवकरण शास्त्री, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा
- शिवराजविजयम्, डॉ. रमाशंकर मिश्र, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
- शिवराजविजयम्, डॉ. महेश कुमार श्रीवास्तव, विश्वविद्यालय प्रकाशन
- शिवराजविजयम्, डॉ. देवनारायण मिश्र, साहित्य भण्डार, मेरठ
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, डॉ. बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
- साहित्य का संक्षिप्त इतिहास, डॉ. उमेशचन्द्र पांडे, प्राच्य भारतीय संस्थान, गोरखपुर
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखम्बा भारती अकादमी, वाराणसी, पुनर्मुद्रित 2012
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, वाचस्पति गैरोला, चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी, पंचम संस्करण 1997
- संस्कृत व्याकरण एवं अनुवाद कला, ललित कुमार मण्डल, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली 2007
- अनुवाद-चन्द्रिका, यदुनन्दन मिश्र / ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
- अनुवाद चन्द्रिका, चन्द्रधर हंस नौटियाल, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 1999
- संस्कृत रचना, वी. एस. आप्टे (अनु.) उमेशचन्द्र पांडे, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 2008
- रचनानुवादकौमुदी, कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी 2011
- कम्प्यूटर का परिचय, गौरव अग्रवाल, शिवा प्रकाशन, इन्दौर
- कम्प्यूटर फण्डामेण्ट, पी. के. सिन्हा, वी. पी.बी. पब्लिकेशन, नई दिल्ली
- इन्फार्मेशन टेक्नोलॉजी, सुमिता अरोरा, धनपतराय पब्लिकेशन, नई दिल्ली

This Course can be opted as an elective by the students of following subjects :

सभी के लिये उपलब्ध (OPEN TO ALL)

…….

प्रस्तावित सतत मूल्यांकन

(क) पाठ्यक्रम में निर्धारित ग्रन्थों पर आधारित अधिन्यास (असाइनमेंट) एवं मौखिकी : 15 अंक

(ख) लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ / लघु उत्तरीय) 10 अंक

Course prerequisites :

सभी के लिये उपलब्ध (OPEN TO ALL)

……

Suggested equivalent online courses :

……

Further Suggestions :

……

Programme / Class : Diploma कार्यक्रम / वर्ग / डिप्लोमा	Year : Second वर्ष : द्वितीय	Semester : III सेमेस्टर तृतीय
विषय : संस्कृत		
प्रश्नपत्र कोड : A020301T	**प्रश्नपत्र का शीर्षक : संस्कृत नाटक एवं व्याकरण**	

Course Outcomes : अधिगम उपलब्धि

- संस्कृत नाट्य साहित्य को सामान्य रूप से समझ सकने में सक्षम होंगे।
- नाटक की पारिभाषिक शब्दावली से सुपरिचित होंगे।
- नाटक में प्रयुक्त रस, छन्द एवं अलङ्कारों का सम्यक् बोध कर सकेंगे।
- संवाद एवं अभिनय कौशल में पारङ्गत होंगे।
- नवीन पदों के ज्ञान द्वारा उनके शब्दकोश में वृद्धि होगी।
- भारतीय सांस्कृतिक तत्त्वों एवं मूल्यों को आत्मसात कर भारतीयता के गर्व से युक्त उत्तम नागरिक बनेंगे।
- व्याकरणपरक शब्दों की सिद्ध प्रक्रिया से परिचित हो सकेंगे।
- व्याकरणशास्त्र के ज्ञान के माध्यम से शुद्ध वाक्य विन्यास कौशल का विकास हो सकेगा।

Credits : 6	Core Compulsory
Max. Marks : 25 +75	Min. Passing Marks :

Total No. of Lecture-Tutorial-Practical (in hours per week) : L-T-P : 6-0-0

Unit ईकाई	Topics पाठ्य-विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
	प्रथम भाग (PART - 1)	
I	नाट्य साहित्य परम्परा तथा प्रमुख नाटककार : भास, अश्वघोष, भवभूति, भट्टनारायण, विशाखदत्त	12
II	अभिज्ञानशाकुन्तलम् (प्रथम से द्वितीय अंक)	11
III	अभिज्ञानशाकुन्तलम् (तृतीय से चतुर्थ अंक)	11
IV	स्वप्नवासवदत्तम् (प्रथम अंक)	11
	द्वितीय भाग (PART - 2)	
V	रूप सिद्धि- सामान्य परिचय अजन्त प्रकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी) पुल्लिङ्ग- राम, सर्व, हरि, सखि सूत्र व्याख्या एवं शब्दरूप सिद्धि	12
VI	अजन्त प्रकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी) स्त्रीलिङ्ग- रमा, सर्व, मति नपुंसकलिङ्ग- ज्ञान, वारि सूत्र व्याख्या एवं शब्दरूप सिद्धि	11
VII	हलन्त प्रकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी) पुल्लिङ्ग- इदम्, राजन्, तद्, अस्मद्, युष्मद् सूत्र व्याख्या एवं शब्दरूप सिद्धि	11
VIII	हलन्त प्रकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी) स्त्रीलिङ्ग- किम्, अप्, इदम् नपुंसकलिङ्ग- इदम्, अहन् सूत्र व्याख्या एवं शब्दरूप सिद्धि	11

संस्तुत ग्रन्थ :

- अभिज्ञानशाकुन्तलम्, डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, रामनारायण लाल विजय कुमार प्रकाशन, इलाहाबाद
- अभिज्ञानशाकुन्तलम्, डॉ. उमेशचन्द्र पांडे, प्राच्य भारतीय संस्थान, गोरखपुर
- अभिज्ञानशाकुन्तलम्, डॉ. रमाशंकर त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन
- अभिज्ञानशाकुन्तलम्, डॉ. निरूपण विद्यालंकार, साहित्य भण्डार, मेरठ
- स्वप्नवासवदत्तम्, श्री तरिणीश झा, रामनारायण लाल बेनी माधव प्रकाशक, इलाहाबाद
- स्वप्नवासवदत्तम्, जय कृष्ण दास हरिदास गुप्त, चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वाराणसी
- संस्कृत नाटक उद्भव और विकास, डॉ. ए. वी. कीथ, अनुवादक उदयभानु सिंह
- नाट्य साहित्य का इतिहास और नाट्य सिद्धान्त, जयकुमार जैन, साहित्य भण्डार, मेरठ 2012
- संस्कृत के प्रमुख नाटककार एवं उनकी कृतियाँ, डॉ. गंगासागर राय
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखम्बा भारती अकादमी, वाराणसी, पुनर्मुद्रित 2012
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, वाचस्पति गैरोला, चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी, पंचम संस्करण 1997
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, वरदराज भैमी व्याख्या, भीमसेन शास्त्री (1-6 भाग), भैमी प्रकाशन, दिल्ली 1993
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, डॉ. उमेशचन्द्र पांडे, चौखम्बा प्रकाशन
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, गोविन्दप्रसाद शर्मा एवं आचार्य रघुनाथ शास्त्री, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, डॉ. रामकृष्ण आचार्य, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा

This Course can be opted as an elective by the students of following subjects :
सभी के लिये उपलब्ध (OPEN TO ALL)
……

प्रस्तावित सतत मूल्यांकन

(क) पाठ्यक्रम में निर्धारित नाटकों पर आधारित संवाद एवं अभिनय कौशल परीक्षा : 15 अंक

अथवा

पाठ्यक्रम में निर्धारित ग्रन्थों पर आधारित अधिन्यास (असाइनमेंट) एवं मौखिकी

(ख) लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ / लघु उत्तरीय) 10 अंक

Course prerequisites :

सभी के लिये उपलब्ध (OPEN TO ALL)

……

Suggested equivalent online courses :

……

Further Suggestions :

……

Programme / Class : Diploma कार्यक्रम / वर्ग / डिप्लोमा	Year : Second वर्ष : द्वितीय	Semester : IV सेमेस्टर : चतुर्थ
विषय : संस्कृत		
प्रश्नपत्र कोड : A020401T	**प्रश्नपत्र का शीर्षक : काव्यशास्त्र एवं संस्कृत लेखन कौशल**	

Course Outcomes : अधिगम उपलब्ध-

- विद्यार्थी काव्यशास्त्र के उद्भव और विकास से सुपरिचित होकर काव्यशास्त्रीय तत्त्वों को समझने में सक्षम होंगे।
- छन्दभेद और उनके नियमों को समझने में समर्थ होंगे।
- संस्कृत अलङ्कारों के ज्ञान के माध्यम से काव्य के सौन्दर्य का बोध कर सकेंगे।
- कल्पनाशीलता एवं रचनात्मक क्षमता का विकास होगा।
- शब्द ज्ञानकोष में वृद्धि होगी।
- व्याकरणशास्त्र के ज्ञान के माध्यम से शुद्ध वाक्य विन्यास कौशल का विकास हो सकेगा।
- विद्यार्थियों में निबन्ध एवं अनुच्छेद लेखन क्षमता का विकास होगा।
- संस्कृत पत्र लेखन कौशल में वृद्धि होगी।
- अपठित अंश के माध्यम से विषय वस्तु अवबोध एवं अभिव्यक्ति का कौशल विकसित होगा।

Credits : 6	Core Compulsory
Max. Marks : 25 +75	Min. Passing Marks :

Total No. of Lecture-Tutorial-Practical (in hours per week) : L-T-P : 6-0-0

Unit ईकाई	Topics पाठ्य-विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
	प्रथम भाग (PART - 1)	
I	संस्कृत काव्यशास्त्र परम्परा तथा प्रमुख काव्य, शास्त्रीय ग्रन्थ एवं आचार्य- भामह, दण्डी, वामन, आनन्दवर्धन, मम्मट, कुन्तक, क्षेमेन्द्र, विश्वनाथ, जगन्नाथ	12
II	साहित्य-दर्पण (1-2 परिच्छेद)	11
III	छन्द (वृत्तरत्नाकर से अधोलिखित छन्द)- अनुष्टुप्, आर्या, वंशस्थ, द्रुतविलम्बित, भुजङ्गप्रयात, वसन्ततिलका, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, उपजाति, मालिनी, मन्दाक्रान्ता, शिखरिणी, शार्दूलविक्रीडित, स्रग्धरा	11
IV	अलङ्कार (साहित्यदर्पण से अधोलिखित अलङ्कार)- अनुप्रास, यमक, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, सन्देह, भ्रान्तिमान्, दृष्टान्त, निदर्शना, विभावना, विशेषोक्ति, अर्थान्तरन्यास, समासोक्ति	11
	द्वितीय भाग (PART - 2)	
V	निबन्ध	12
VI	पत्र-व्यवहार	11
VII	समसायिक विषयों पर अनुच्छेद लेखन अथवा विज्ञापन अथवा समाचार लेखन	11
VIII	अपठित गद्यांश अथवा पद्यांश पर आधारित प्रश्नोत्तर	11

संस्तुत ग्रन्थ :

- साहित्यदर्पण (कविराज विश्वनाथ), सत्यव्रत सिंह, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
- साहित्यदर्पण, शालिग्राम शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास प्रकाशन, वाराणसी
- साहित्यदर्पण, राजकिशोर सिंह, प्रकाशक केन्द्र, लखनऊ
- वृत्तरत्नाकर, श्रीकेदारभट्ट (व्या.) बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2011
- छन्दोऽलङ्कारसौरभम्, डॉ. सावित्री गुप्ता, विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली, 2009
- छन्दोऽलङ्कारसौरभम्, प्रो. राजेन्द्र मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन
- छन्दमञ्जरीविकास, हरिदत्त उपाध्याय
- काव्यदीपिका, कान्तिचन्द्र भट्टाचार्य, साहित्य भण्डार, मेरठ
- काव्यदीपिका, डॉ. बाबूराम त्रिपाठी, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखम्बा भारती अकादमी, वाराणसी, पुनर्मुद्रित 2012
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, वाचस्पति गैरोला, चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी, पंचम संस्करण 1997
- हायर संस्कृत ग्रामर, मोरेश्वर रामचन्द्र काले (अनु.) कपिलदेव द्विवेदी,श्रीरामनारायणलाल बेनीप्रसाद, इलाहाबाद 2001
- संस्कृत व्याकरण एवं अनुवाद कला, ललित कुमार मण्डल, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली 2007
- अनुवाद-चन्द्रिका, यदुनन्दन मिश्र / ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
- अनुवाद चन्द्रिका, चन्द्रधर हंस नौटियाल, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 1999
- संस्कृत रचना, वी. एस. आप्टे (अनु.) उमेशचन्द्र पांडे, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 2008
- रचनानुवादकौमुदी, कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2011
- संस्कृतनिबन्धशतकम्, कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2010
- संस्कृत निबन्धावली, रामजी उपाध्याय, चौखम्बा प्रकाशन
- संस्कृत निबन्ध सुधा, राधेश्याम गंगवार, नागराज प्रकाशन, पिथौरागढ़, 2005

This Course can be opted as an elective by the students of following subjects :

सभी के लिये उपलब्ध (OPEN TO ALL)

……

प्रस्तावित सतत मूल्यांकन

(क) अधिन्यास (असाइनमेंट) एवं मौखिकी 15 अंक

अथवा

- किसी एक छन्द अथवा अलङ्कार के लक्षण एवं न्यूनतम 10 उदाहरण (सङ्गति सहित) के सङ्कलन से सम्बन्धित परियोजना कार्य एवं मौखिकी

अथवा

- प्रदत्त अपठित श्लोकों में छन्द एवं अलङ्कार निर्धारण विषयक प्रायोगिकी

(ख) लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ / लघु उत्तरीय) 10 अंक

Course prerequisites :

सभी के लिये उपलब्ध (OPEN TO ALL)

……

Suggested equivalent online courses :

……

Further Suggestions :

……

Programme / Class : Bachelor कार्यक्रम / वर्ग / स्नातक डिग्री	Year : Second वर्ष : तृतीय	Semester : V सेमेस्टर : पञ्चम
विषय : संस्कृत		
प्रश्नपत्र कोड : A020501T	**प्रश्नपत्र का शीर्षक : प्रथम प्रश्नपत्र- वैदिक वाङ्मय एवं भारतीय दर्शन**	

Course Outcomes : अधिगम उपलब्ध-

- वैदिक वाङ्मय एवं संस्कृत का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
- वैदिक एवं औपनिषदिक संस्कृति के प्रति गौरवबोध होगा।
- वेदोक्त संदेशों एवं मूल्यों के माध्यम से आचरण का उदात्तीकरण होगा।
- उपनिषद् का सामान्य परिचय एवं निहित उपदेशों का अवबोध होगा।
- औपनिषदिक कर्म संयम भक्ति एवं त्यागमूलक संस्कृति से परिचित होंगे।
- वैदिक एवं औपनिषदिक संस्कृति के प्रति गौरवबोध होगा। वैदिक सूक्तों के माध्यम से विद्यार्थयों को तत्कालीन आध्यात्मिक सामाजिक एवं राष्ट्रीय परिदृश्य का निर्दशन होगा।
- भारतीय दार्शनिक तत्त्वों का सामान्य ज्ञान प्राप्त होगा।
- दार्शनिक तत्त्वों में अनुस्यूत गूढार्थ बोध होगा।
- दार्शनिक तत्त्वों के प्रति विश्लेषणात्मक एवं तार्किक क्षमता का विकास होगा।
- दर्शन में विद्यमान नैतिक एवं कल्याणपरक तथ्यों से आत्मोत्कर्ष अभिप्रेरणा प्राप्त होगी।
- भारतीय दर्शन में निहित उद्देश्यों एवं ज्ञान को आचरण में समाहित करने हेतु अभिप्रेरित होंगे।
- गीता ज्ञान रहस्य द्वारा सृष्टि कल्याणार्थ भाव विकसित होंगे।

Credits : 5	Core Compulsory
Max. Marks : 25 +75	Min. Passing Marks :

Total No. of Lecture-Tutorial-Practical (in hours per week) : L-T-P : 5-0-0

Unit ईकाई	Topics पाठ्य-विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
	प्रथम भाग (PART - 1)	
I	वैदिक वाङ्मय का सामान्य परिचय (संहिता, ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद् एवं वेदाङ्ग)	09
II	ऋग्वेद संहिता- अग्नि सूक्त (1.1), विष्णु सूक्त (1.154), पुरुष सूक्त (10.90), हिरण्यगर्भ सूक्त (10.121), वाक् सूक्त (10.125)	09
III	यजुर्वेद संहिता- शिव सङ्कल्प सूक्त अथर्ववेद संहिता- पृथ्वीसूक्त (12.1 - 1 से 12 मन्त्र) विष्णुसूक्त, सामंनस्यसूक्त (3.30)	09
IV	ईशावास्योपनिषद् (व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न)	09
	द्वितीय भाग (PART - 2)	
V	भारतीय दर्शन का सामान्य परिचय - दर्शन का अर्थ एवं महत्त्व नास्तिक दर्शन- चार्वाक, जैन एवं बौद्ध आस्तिक दर्शन- न्याय, वैशेषिक, साङ्ख्य, योग, मीमांसा एवं वेदान्त (परिचयात्मक प्रश्न)	09
VI	श्रीमद्भगवद्गीता- द्वितीय अध्याय (व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न)	10
VII	तर्कसङ्ग्रह (आरम्भ से प्रत्यक्ष खण्ड पर्यन्त)	10
VIII	तर्कसङ्ग्रह (अनुमान से समाप्ति पर्यन्त)	10

संस्तुत ग्रन्थ :

- ईशावास्योपनिषद्, डॉ. शिव प्रसाद द्विवेदी, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
- ईशावास्योपनिषद्, गीताप्रेस गोरखपुर, 1994
- ऋग्वेद संहिता रामगोविन्द त्रिवेदी, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
- ऋक्सूक्त सङ्ग्रह, हरिदत्त शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ
- ऋक्सूक्त सौरभ, डॉ. आर. के. लौ., ज्ञान प्रकाशन, मेरठ
- सूक्त सङ्कलन, प्रोफेसर विश्वम्भर नाथ त्रिपाठी, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
- वेदामृतमञ्जूषिका, डॉ. प्रयागनारायण मिश्र, प्रकाशन केन्द्र, लखनऊ
- वैदिक साहित्य एवं संस्कृति, वाचस्पति गैरोला, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
- वैदिक साहित्य का इतिहास, डॉ. करण सिंह, साहित्य भण्डार, मेरठ
- वैदिक साहित्य की रूपरेखा, प्रो. राममूर्ति शर्मा, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
- वैदिक साहित्य एवं संस्कृति, आचार्य बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
- श्रीमद्भगवद्गीता, हरि कृष्णदास गोयन्दका, गीताप्रेस गोरखपुर, 2009
- तर्कसङ्ग्रह, अन्नम्भट्ट, (व्या.) चन्द्रशेखर द्विवेदी, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा
- तर्कसङ्ग्रह, अन्नम्भट्ट, (व्या.) केदारनाथ त्रिपाठी, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
- भारतीय दर्शन की भूमिका, रामानन्द तिवारी, भारती मन्दिर, भरतपुर, 1958
- भारतीय दर्शन, जगदीशचन्द्र मिश्र, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2010
- भारतीय दर्शन, आलोचन और अनुशीलन, चन्द्रधर शर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 2004
- भारतीय दर्शन का इतिहास, एस. एन. दासगुप्ता (अनु.) कलानाथ शास्त्री एवं सुधीर कुमार (पाँच भागों में), राजस्थन हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर, 1969-1989
- भारतीय दर्शन, एस. राधाकृष्णन, (अनु.) नन्दकिशोर गोभिल, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली, 1989
- भारतीय दर्शन की रूपरेखा, एम. हिरियन्ना, (अनु.) गोवर्धनभट्ट, मंजू गुप्त एवं सुखवीर चौधरी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 1965

This Course can be opted as an elective by the students of following subjects :

सभी के लिये उपलब्ध (OPEN TO ALL)

……

प्रस्तावित सतत मूल्यांकन

(क) वैदिक मन्त्रों का शुद्ध एवं सस्वर उच्चारण (भावार्थ सहित) 15 अंक

अथवा

अधिन्यास (असाइनमेंट) एवं मौखिकी

(ख) लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ / लघु उत्तरीय) 10 अंक

Course prerequisites :

सभी के लिये उपलब्ध (OPEN TO ALL)

……

Suggested equivalent online courses :

……

Further Suggestions :

……

Programme / Class : Bachelor कार्यक्रम / वर्ग / स्नातक डिग्री	Year : Second वर्ष : तृतीय	Semester : V सेमेस्टर : पञ्चम
विषय : संस्कृत		
प्रश्नपत्र कोड : A020502T	**प्रश्नपत्र का शीर्षक : द्वितीय प्रश्नपत्र- व्याकरण एवं भाषाविज्ञान**	

Course Outcomes : अधिगम उपलब्ध-

- भाषा विज्ञान के उद्भव एवं विकास का सामान्य ज्ञान प्राप्त होगा।
- संस्कृत भाषा एवं व्याकरण की वैज्ञानिकता का अवबोध होगा।
- भाषा एवं भाषाविज्ञान की उपयोगिता एवं महत्त्व से सुपरिचित होंगे।
- ध्वनि के प्रारम्भिक एवं वर्तमान स्वरूप एवं ध्वनि परिवर्तन के कारणों के प्रति विश्लेषणात्मक दृष्टि विकसित होगी।
- पदों की सिद्धि प्रक्रिया के माध्यम से शब्द निर्माण की वैज्ञानिकता से परिचित होंगे।
- संस्कृत भाषा के शुद्ध उच्चारण एवं लेखन का कौशल विकसित होगा।

Credits : 5	Core Compulsory
Max. Marks : 25 +75	Min. Passing Marks :

Total No. of Lecture-Tutorial-Practical (in hours per week) : L-T-P : 5-0-0

Unit ईकाई	Topics पाठ्य-विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
	प्रथम भाग (PART - 1)	
I	धातुरूपसिद्धि (लघुसिद्धान्तकौमुदी) भू, पा, गम्, कृ, एध् (सूत्र व्याख्या एवं रूप सिद्धि)	11
II	कृदन्त प्रकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी) कृत्य- तव्यत्, अनीयर्, यत्, ण्यत् कृत्- तुमुन्, क्त्वा, क्त, क्तवतु, शतृ, शानच्, ण्वुल्, तृच्, णिनि	10
III	तद्धित प्रकरण- अपत्यार्थ (लघुसिद्धान्तकौमुदी)	09
IV	विभक्त्यर्थ प्रकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी)	09
	द्वितीय भाग (PART - 2)	
V	समास प्रकरण - केवल समास (लघुसिद्धान्तकौमुदी)	09
VI	स्त्री-प्रत्यय (लघुसिद्धान्तकौमुदी)	09
VII	भाषाविज्ञान का स्वरूप, भाषाविज्ञान के मुख्य अङ्ग एवं उपादेयता, भाषा की परिभाषा एवं स्वरूप, भाषा की विशेषताएँ, भावाभिव्यक्ति के साधन एवं भाषा के अनेक रूप (बोली, भाषा एवं विभाषा)	09
VIII	भाषा का उद्भव एवं विकास, भाषा परिवर्तन की दिशाएँ एवं कारण, ध्वनि परिवर्तन की दिशाएँ एवं कारण	09

संस्तुत ग्रन्थ :

- लघुसिद्धान्तकौमुदी, वरदराज भैमी व्याख्या, भीमसेन शास्त्री (1-6 भाग), भैमी प्रकाशन, दिल्ली 1993
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, गोविन्दप्रसाद शर्मा एवं आचार्य रघुनाथ शास्त्री, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, डॉ. उमेशचन्द्र पांडे, चौखम्बा प्रकाशन
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, डॉ. रामकृष्ण आचार्य, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
- कृदन्तसूत्रावली, बृजेश कुमार शुक्ल, प्रकाशन केन्द्र, लखनऊ
- भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र, कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, द्वादश संस्करण 2010
- भाषाविज्ञान, भोलानाथ तिवारी, किताब महल प्राइवेट लिमिटेड, इलाहाबाद

This Course can be opted as an elective by the students of following subjects :
सभी के लिये उपलब्ध (OPEN TO ALL)

…….

प्रस्तावित सतत मूल्यांकन

(क) अधिन्यास (असाइनमेंट) एवं मौखिकी 15 अंक

(ख) लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ / लघु उत्तरीय) 10 अंक

Course prerequisites :

सभी के लिये उपलब्ध (OPEN TO ALL)

……

Suggested equivalent online courses :

……

Further Suggestions :

……

Programme / Class : Bachelor कार्यक्रम / वर्ग / स्नातक डिग्री	Year : Third वर्ष : तृतीय	Semester : VI सेमेस्टर : षष्ठ
विषय : संस्कृत		
प्रश्नपत्र कोड : A020601T	**प्रश्नपत्र का शीर्षक : प्रथम प्रश्नपत्र- आधुनिक संस्कृत साहित्य**	

Course Outcomes : अधिगम उपलब्ध-

- आधुनिक संस्कृत कवियों से सुपरिचित होंगे।
- नवीन बिम्ब विधानों एवं नवीन विषयों का ज्ञान प्राप्त होगा।
- आधुनिक संस्कृत साहित्य के बाल-साहित्य से परिचित होते हुए संस्कृत-शिक्षण की सरलतम विधि के प्रति उन्मुख होंगे।
- आधुनिक संस्कृत-साहित्य में विद्यमान नैतिक एवं कल्याणपरक तथ्यों से आत्मोत्कर्ष की अभिप्रेरणा प्राप्त होगी।
- आधुनिक संस्कृत-साहित्य में निहित उद्देश्यों एवं ज्ञान को आचरण में समाहित करने हेतु अभिप्रेरित होंगे।

Credits : 5	Core Compulsory
Max. Marks : 25 +75	Min. Passing Marks :

Total No. of Lecture-Tutorial-Practical (in hours per week) : L-T-P : 5-0-0

Unit ईकाई	Topics पाठ्य-विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
	प्रथम भाग (PART - 1)	
I	आधुनिक संस्कृत साहित्य के प्रमुख कवि एवं उनकी कृतियों का सामान्य परिचय	10
II	आधुनिक महाकाव्य- उत्तरसीताचरितम् (सप्तम सर्ग- विद्याधिगमः) प्रो. रेवाप्रसाद द्विवेदी	10
III	आधुनिक महाकाव्य श्रम माहात्यम् (षोडशी)- श्रीधर भास्कर वर्णेकर	09
IV	आधुनिक-नाटक क्षत्रपति साम्राज्यम् (प्रथम अङ्क)- श्रीमूलशङ्करमाणिकलाल "याज्ञिक"	09
	द्वितीय भाग (PART - 2)	
V	संस्कृत उपन्यास पद्मिनी (प्रथम एवं द्वितीय विराम)- मोहनलाल शर्मा पांडे	09
VI	संस्कृत गीतिकाव्य तदेव गगनं सैव धरा (1 से 50 पद्य)- आचार्य श्रीनिवास "रथ"	10
VII	संस्कृत कथा कथा मुक्तावली (क्षणिक विभ्रमः) पण्डिता क्षमाराव	09
VIII	संस्कृत सुभाषित दीपमालिका, पं. वासुदेव द्विवेदी शास्त्री	09

संस्तुत ग्रन्थ :

- कथा मुक्तावली- पण्डिता क्षमाराव, पी. जे. पाण्ड्या फॉर, एन. एम. त्रिपाठी लि. प्रिन्सेस स्ट्रीट, बॉम्बे- 2
- उत्तरसीताचरितम्- प्रो. रेवाप्रसाद द्विवेदी, कालिदास संस्थानम्, वाराणसी-5
- षोडशी- श्रीधर भास्कर वर्णेकर, सम्पादक एवं सङ्कलनकर्ता- प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
- क्षत्रपति साम्राज्यम्- श्रीमूलशङ्करमाणिकलालयाज्ञिक, (व्याख्या.) डॉ. नरेश झा, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
- तदेव गगनं सैव धरा- आचार्य श्रीनिवास "रथ" नाग पब्लिशर्स, 1995
- दीपमालिका, वासुदेव द्विवेदी शास्त्री, सार्वभौम संस्कृत प्रचार संस्थानम्, वाराणसी
- पद्मिनी, मोहनलाल शर्मा पांडे प्रकाशन, जयपुर
- संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास, सप्तम खण्ड- आधुनिक संस्कृत साहित्य का इतिहास, श्री बलदेव उपाध्याय, उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान लखनऊ, प्रथम संस्करण, 2000
- आधुनिक संस्कृत साहित्य, सन्दर्भ सूची, (सम्पादक) राधावल्लभ त्रिपाठी, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली
- आधुनिक संस्कृत काव्य की परिक्रमा, मंजूलता शर्मा, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली
- http://www.sanskrit.nic.in/ASSP/index.html

This Course can be opted as an elective by the students of following subjects :
सभी के लिये उपलब्ध (OPEN TO ALL)

…….

प्रस्तावित सतत मूल्यांकन

(क) आधुनिक संस्कृत पुस्तक समीक्षा एवं मौखिकी
अथवा
आधुनिक संस्कृत साहित्य का सर्वेक्षण एवं मौखिकी 15 अंक

(ख) लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ / लघु उत्तरीय) 10 अंक

Course prerequisites :

सभी के लिये उपलब्ध (OPEN TO ALL)

…….

Suggested equivalent online courses :

…….

Further Suggestions :

……

अथवा

Programme / Class : Bachelor कार्यक्रम / वर्ग / स्नातक डिग्री	Year : Third वर्ष : तृतीय	Semester : VI सेमेस्टर : षष्ठ
विषय : संस्कृत		
प्रश्नपत्र कोड : A020602T	प्रश्नपत्र का शीर्षक : द्वितीय प्रश्नपत्र (वैकल्पिक)- योग्य एवं प्राकृतिक चिकित्सा	

Course Outcomes : अधिगम उपलब्ध-

- भारतीय योगशास्त्र के प्राचीन एवं वैज्ञानिक ज्ञान से लाभान्वित होंगे।
- योगशास्त्र के मूलभूत सिद्धान्तो को जानकर योग की महत्ता से परिचित होंगे।
- योग के वास्तविक स्वरूप के अवबोध द्वारा योग को जीवन में समाहित करने हेतु प्रेरित होंगे।
- योग के आसनों के सैद्धान्तिक एवं व्यवहारिक दोनो पक्षों को समान रूप से सीख सकेंगे।
- योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के अनुप्रयोग द्वारा स्वस्थ समाज का निर्माण कर सकने में समर्थ होंगे।

Credits : 5	Core Compulsory
Max. Marks : 25 +75	Min. Passing Marks :

Total No. of Lecture-Tutorial-Practical (in hours per week) : L-T-P : 5-0-0

Unit ईकाई	Topics पाठ्य-विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
	प्रथम भाग (PART - 1)	
I	योग की भारतीय अवधारणा : उपयोगिता एवं महत्त्व, प्रमुख आचार्य एवं ग्रन्थ	10
II	योगसूत्र- समाधिपाद (सूत्र 1 से 29 तक)	10
III	योगसूत्र- साधनपाद (सूत्र 29 से 55 तक)	10
IV	योगसूत्र- विभूतिपाद (सूत्र 1 से 15 तक)	09
	द्वितीय भाग (PART - 2)	
V	घेरण्ड संहिता- प्रथमोपदेश (श्लोक 1 से 32)	09
VI	घेरण्ड संहिता- प्रथमोपदेश (श्लोक 33 से 60)	09
VII	घेरण्ड संहिता- प्रथमोपदेश (आसनप्रकरण) सिद्धासन, पद्मासन, भद्रासन, मुक्तासन, वज्रासन, स्वस्तिकासन, सिंहासन, गोमुखासन	09
VIII	घेरण्ड संहिता- द्वितीयोपदेश (आसनप्रकरण) वीरासन, धनुरासन, मृतासन, मत्यासन, पश्चिमोत्तरासन, गरुड़ासन, मकरासन, भुजङ्गासन	09

संस्तुत ग्रन्थ :

- पातञ्जलयोगदर्शनम्, पतञ्जलिकृत योगसूत्र व्यासभाष्य, वाचस्पति मिश्र कृत तत्त्ववैशारदी एवं विज्ञानभिक्षु कृत योगवार्तिक सहित (सम्पादक) नारायण मिश्र, भारतीय विद्या प्रकाशन,वाराणसी, 1981
- योगदर्शन, हरिकृष्णदास गोयन्दका, गीताप्रेस गोरखपुर
- पातञ्जलयोगदर्शनम्, सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
- घेरण्ड संहिता, घेरण्ड मुनि, भाष्यकार स्वामीजी महाराज, पीताम्बरा पीठ, दतिया, मध्य प्रदेश
- यज्ञ चिकित्सा, ब्रह्मवर्चस, शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार
- योग तथा मानसिक स्वास्थ्य, पी. डी. मिश्र, रॉयल बुक कम्पनी, लखनऊ
- योग एवं स्वास्थ्य, पी. डी. मिश्र, रेपिडेक्स बुक्स, पुस्तक महल
- सूर्य किरण चिकित्सा विज्ञान, अमरजीत, खण्डेलवाल प्रकाशन जयपुर
- नेचर क्योर फिलॉसफी एण्ड मेथड्स, पी. डी. मिश्र, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ

This Course can be opted as an elective by the students of following subjects :

सभी के लिये उपलब्ध (OPEN TO ALL)

……..

प्रस्तावित सतत मूल्यांकन

(क) योगासनों का प्रदर्शन

अथवा

अधिन्यास (असाइनमेंट) एवं मौखिकी 15 अंक

(ख) लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ / लघु उत्तरीय) 10 अंक

Course prerequisites :

सभी के लिये उपलब्ध (OPEN TO ALL)

……

Suggested equivalent online courses :

……

Further Suggestions :

……

अथवा

Programme / Class : Bachelor कार्यक्रम / वर्ग / स्नातक डिग्री	Year : Third वर्ष : तृतीय	Semester : VI सेमेस्टर : षष्ठ
विषय : संस्कृत		
प्रश्नपत्र कोड : A020603T	प्रश्नपत्र का शीर्षक : तृतीय प्रश्नपत्र (वैकल्पिक)- आयुर्वेद एवं स्वास्थ्य विज्ञान	

Course Outcomes : अधिगम उपलब्ध-

- भारतीय प्राच्यज्ञान की अद्भुत देन आयुर्वेद का सामान्य ज्ञान प्राप्त करेंगे।
- मानव स्वास्थ्य एवं रोग निवारण हेतु आयुर्वेद के मूलभूत सिद्धान्तों से सुपरिचित होंगे।
- वर्तमान समय में आयुर्वेद की आवश्यकता एवं महत्त्व से अवगत होते हुए मानव कल्याणार्थ अनुप्रयोग हेतु प्रेरित होंगे।
- अष्टाङ्ग आयुर्वेद के ज्ञान द्वारा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने हेतु अग्रसर होंगे।

Credits : 5	Core Compulsory
Max. Marks : 25 +75	Min. Passing Marks :

Total No. of Lecture-Tutorial-Practical (in hours per week) : L-T-P : 5-0-0

Unit ईकाई	Topics पाठ्य-विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
	प्रथम भाग (PART - 1)	
I	आयुर्वेद का सामान्य परिचय, उद्भव एवं विकास प्रमुख आचार्य- चरक, सुश्रुत, वाग्भट, माधव, शाङ्र्गधर, भावमिश्र	10
II	आयुर्वेद का अर्थ एवं परिभाषा, मूलभूत सिद्धान्त, वर्तमान काल में उपयोगिता एवं महत्त्व, अष्टाङ्ग आयुर्वेद	11
III	चरक संहिता- सूत्र स्थान प्रथम अध्याय- (श्लोक 41- से 92)	09
IV	चरक संहिता- सूत्र स्थान प्रथम अध्याय- (श्लोक 93- से समाप्ति पर्यन्त)	09
	द्वितीय भाग (PART - 2)	
V	चरक संहिता- सूत्रस्थान नवम अध्याय	09
VI	चरक संहिता- सूत्रस्थान दशम अध्याय	09
VII	अष्टाङ्गहृदयम्- वाग्भट्ट सूत्रस्थान- प्रथम अध्याय (1-19)	09
VIII	अष्टाङ्गहृदयम्- वाग्भट्ट सूत्रस्थान- प्रथम अध्याय (20-44)	09

संस्तुत ग्रन्थ :

- चरक संहिता, (सम्पा.) ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2005
- अष्टाङ्गहृदयम्, वाग्भट, (सम्पा.) ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली, पुनर्मुद्रित 2014
- आयुर्वेद का बृहद् इतिहास, अत्रिदेव विद्यालङ्कार, हिन्दी समिति, उत्तर प्रदेश शासन लखनऊ, द्वितीय संस्करण 1976
- संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास, बलदेव उपाध्याय, आयुर्वेद का इतिहास (सप्तदश खण्ड), उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ, 2006
- आयुर्वेद का वैज्ञानिक इतिहास, आचार्य प्रियव्रत शर्मा, चौखम्बा वाराणसी
- आयुर्वेद का इतिहास एवं परिचय, विद्याधर शुक्ल एवं रविदत्त त्रिपाठी, चौखम्बा, वाराणसी
- संस्कृत साहित्य में आयुर्वेद, अत्रिदेव विद्यालङ्कार, भारतीय ज्ञानपीठ, काशी, प्रथम संस्करण, 1956

This Course can be opted as an elective by the students of following subjects :

सभी के लिये उपलब्ध (OPEN TO ALL)

…….

प्रस्तावित सतत मूल्यांकन

(क) अधिन्यास (असाइनमेंट) / पत्र प्रस्तुतीकरण एवं मौखिकी

अथवा

प्रदत्त समस्या का निदान आदि (प्रायोगिक) 15 अंक

(ख) लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ / लघु उत्तरीय) 10 अंक

Course prerequisites :

सभी के लिये उपलब्ध (OPEN TO ALL)

……

Suggested equivalent online courses :

……

Further Suggestions :

……

अथवा

Programme / Class : Bachelor कार्यक्रम / वर्ग / स्नातक डिग्री	Year : Third वर्ष : तृतीय	Semester : VI सेमेस्टर : षष्ठ
विषय : संस्कृत		
प्रश्नपत्र कोड : A020604T	**प्रश्नपत्र का शीर्षक : चतुर्थ प्रश्नपत्र (वैकल्पिक)- भारतीय वास्तुशास्त्र**	

Course Outcomes : अधिगम उपलब्ध-

- भारतीय वास्तुशास्त्र का सामान्य परिचय प्राप्त कर सकेंगे।
- भारतीय प्राचीन ज्ञान धरोहर को जानने समझने की जिज्ञासा उत्पन्न होगी।
- वास्तुशास्त्र के महत्त्व एवं वर्तमान उपयोगिता से परिचित होंगे।
- वास्तुशास्त्र के मूलभूत सिद्धान्तों के ज्ञान द्वारा उनके अनुप्रयोग का कौशल विकसित होगा।

Credits : 5	Core Compulsory
Max. Marks : 25 +75	Min. Passing Marks :

Total No. of Lecture-Tutorial-Practical (in hours per week) : L-T-P : 5-0-0

Unit ईकाई	Topics पाठ्य-विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
	प्रथम भाग (PART - 1)	
I	वास्तुशास्त्र का सामान्य परिचय,महत्त्व एवं प्रासङ्गिकता	10
II	वास्तुसौख्यम् (टोडरमल्ल विरचित) वास्तुसौख्यम्- प्रथम भाग वास्तु प्रयोजन, वास्तु स्वरूप (श्लोक 4 से 13) वास्तुसौख्यम्- द्वितीय भाग भूमि परीक्षण, दिक्साधन, निवासहेतुस्थान निर्वाचन (श्लोक 14 से 22) वास्तु सौख्यम्- तृतीय भाग गृहपर्यावरण, वृक्षारोपण, शल्यशधन (श्लोक 31-49, 74-82)	10
III	वास्तुसौख्यम्- चतुर्थ भाग षड्वर्ग परिशोधन, वास्तुचक्र, ग्रहवास्तु, शिलान्यास (श्लोक 83-102, 107-112) वास्तुसौख्यम्- षष्ठ भाग भूमि पञ्चविधगृह, शालालिन्दप्रमाण, वीथिका प्रमाण (श्लोक 171-194, 195-196) वास्तु सौख्यम्- सप्तम भाग द्वार प्रमाण, स्तम्भ प्रमाण, पञ्च चतुःशाला गृह, सर्वतोभद्र, नन्द्यावर्त, वर्धमान, स्वस्तिक, रुचक (श्लोक 203-217)	10
IV	वास्तुसौख्यम्- अष्टम भाग एकाशीतिपदवास्तुचक्र, मर्मस्थान (श्लोक 287-302, 305-307) वास्तुसौख्यम्- नवम भाग वासदशानिरूपण, द्वारफल, द्वारवेधफल (श्लोक 322-335, 359-369)	09
	द्वितीय भाग (PART - 2)	
V	मुहूर्तचिन्तामणि, वास्तुप्रकरण (श्लोक 01 से 14)	09
VI	मुहूर्तचिन्तामणि, वास्तुप्रकरण (श्लोक 15 से 29)	09
VII	मुहूर्तचिन्तामणि, गृहप्रवेशप्रकरण	09
VIII	भारतीय वास्तुविज्ञान तथा आधुनिक वास्तुविज्ञान की तुलनात्मक समीक्षा	09

संस्तुत ग्रन्थ :

- वास्तुसौख्यम्, टोडरमल्ल (सम्पा.) कमलाकान्त शुक्ल, शिक्षण शोध प्रकाशन संस्थान, वाराणसी 1996
- मुहूर्तचिन्तामणि, श्रीराम पीयूषधरा टीका सहित, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
- मुहूर्तचिन्तामणि, श्रीराम, श्रीदुर्गा पुस्तक भण्डार, प्रयागराज
- भारतीय वास्तुशास्त्र, शुकदेव चतुर्वेदी, श्रीलालबहादुरराष्ट्रीयसंस्कृतविद्यापीठ, नई दिल्ली
- वास्तुप्रबोधिनी, विनोद शास्त्री और सीताराम शर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
- बृहद् वास्तुमाला, राममनोहर द्विवेदी और ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2012
- वास्तुसार, देवीप्रसाद त्रिपाठी, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली, 2015

This Course can be opted as an elective by the students of following subjects :

सभी के लिये उपलब्ध (OPEN TO ALL)

…….

प्रस्तावित सतत मूल्यांकन

(क) पिण्डशोधन, भवन निर्माण की आन्तरिक संरचना (प्रायोगिक)

अथवा

अधिन्यास (असाइनमेंट) / पत्र प्रस्तुतीकरण एवं मौखिकी 15 अंक

(ख) लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ / लघु उत्तरीय) 10 अंक

Course prerequisites :

सभी के लिये उपलब्ध (OPEN TO ALL)

…….

Suggested equivalent online courses :

……

Further Suggestions :

……

अथवा

Programme / Class : Bachelor कार्यक्रम / वर्ग / स्नातक डिग्री	Year : Third वर्ष : तृतीय	Semester : VI सेमेस्टर : षष्ठ
विषय : संस्कृत		
प्रश्नपत्र कोड : A020605T	**प्रश्नपत्र का शीर्षक : पञ्चम प्रश्नपत्र (वैकल्पिक)- ज्योतिषशास्त्र के मूलभूत सिद्धान्त**	

Course Outcomes : अधिगम उपलब्ध-

- भारतीय प्राच्यज्ञान के प्रति अभिरुचि उत्पन्न होगी।
- भारतीय ज्योतिषशास्त्र का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
- ज्योतिष के विभिन्न सिद्धान्तों के ज्ञान के माध्यम से विश्लेषण क्षमता जागृत होगी।
- पञ्चाङ्ग अवलोकन एवं निर्माण कौशल का विकास होगा।

Credits : 5	Core Compulsory
Max. Marks : 25 +75	Min. Passing Marks :

Total No. of Lecture-Tutorial-Practical (in hours per week) : L-T-P : 5-0-0

Unit ईकाई	Topics पाठ्य-विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
	प्रथम भाग (PART - 1)	
I	ज्योतिषशास्त्र का सामान्य परिचय, उद्भव एवं विकास त्रिस्कन्ध ज्योतिष- सिद्धान्त, संहिता, होरा	09
II	ज्योतिष-चन्द्रिका- संज्ञा प्रकरण (श्लोक 1 से 40)	10
III	ज्योतिष-चन्द्रिका- संज्ञा प्रकरण (श्लोक 41 से 80)	10
IV	ज्योतिष-चन्द्रिका- संज्ञा प्रकरण (श्लोक 81 से 115)	10
	द्वितीय भाग (PART - 2)	
V	शीघ्रबोध- प्रथम प्रकरण	09
VI	शीघ्रबोध- द्वितीय प्रकरण	09
VII	शीघ्रबोध- तृतीय प्रकरण	09
VIII	शीघ्रबोध- चतुर्थ प्रकरण	09

संस्तुत ग्रन्थ :

- ज्योतिष-चन्द्रिका, रेवती रमण शर्मा (संपा.) कान्ता भाटिया, भारतीय बुक कॉर्पोरेशन, दिल्ली 1996
- शीघ्रबोध, काशीनाथ, (सम्पा.) खूबचन्द शर्मा गौड़, नवलकिशोर बुक डिपो, लखनऊ
- शीघ्रबोध, काशीनाथ, (सम्पा.) प्रो. बृजेश कुमार शुक्ल, रायल बुक डिपो, लखनऊ
- ज्योतिर्विज्ञानसन्दर्भसमालोचनिका, प्रो. बृजेश कुमार शुक्ल, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली
- बृहत्-संहिता, अच्युतानन्द झा, (अनु.) चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
- बृहत्-संहिता, राधकृष्णन् भट्ट (अनु.) मोतीलाल बनारसीदास, वॉल्यूम 1 एवं 2 दिल्ली
- भारतीय ज्योतिष, शंकर बालकृष्ण दीक्षित, (अनु.) शिवनाथ झारखण्डी, हिन्दी समिति, उत्तर प्रदेश
- भारतीय ज्योतिष, नेमीचन्द शास्त्री, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
- ब्रह्माण्ड एवं सौर परिवार, देवी प्रसाद त्रिपाठी, दिल्ली
- भुवन कोष, देवीप्रसाद त्रिपाठी, दिल्ली

This Course can be opted as an elective by the students of following subjects :

सभी के लिये उपलब्ध (OPEN TO ALL)

……..

प्रस्तावित सतत मूल्यांकन

(क) अधिन्यास (असाइनमेंट) एवं मौखिकी 15 अंक

अथवा

पञ्चाङ्गावलोकन परीक्षा

(ख) लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ / लघु उत्तरीय) 10 अंक

Course prerequisites :

सभी के लिये उपलब्ध (OPEN TO ALL)

……

Suggested equivalent online courses :

……

Further Suggestions :

……

अथवा

Programme / Class : Bachelor कार्यक्रम / वर्ग / स्नातक डिग्री	Year : Third वर्ष : तृतीय	Semester : VI सेमेस्टर : षष्ठ
विषय : संस्कृत		
प्रश्नपत्र कोड : A020606T	**प्रश्नपत्र का शीर्षक : षष्ठ प्रश्नपत्र (वैकल्पिक)- नित्यनैमित्तिक अनुष्ठान**	

Course Outcomes : अधिगम उपलब्ध-

- विद्यार्थी भारतीय पारम्परिक कर्मकाण्ड एवं सांस्कृतिक मूल्यों से परिचित होंगे।
- नित्यनैमित्तिक अनुष्ठान विधि को जानकर जीवन को नियमबद्ध एवं आचरणशील बनाने में समर्थ होंगे।
- भारतीय कर्मकाण्ड के प्रामाणिक शास्त्रीय रूप से परिचित होकर उसकी व्यवहारिक उपयोगिता जानने योग्य बनेंगे।
- सामान्य अनुष्ठान सम्पन्न कराने योग्य कुशल और पौरोहित्य कर्म विशारद बनेंगे।
- आत्मनिर्भर भारत की सङ्कल्पना को साकार करने में सक्षम एवं आत्मनिर्भर बनेंगे।

Credits : 5	Core Compulsory
Max. Marks : 25 +75	Min. Passing Marks :

Total No. of Lecture-Tutorial-Practical (in hours per week) : L-T-P : 5-0-0

Unit ईकाई	Topics पाठ्य-विषय	No. of Lectures व्याख्यान संख्या
	प्रथम भाग (PART - 1)	
I	नित्यविधि- प्रातरुत्थान, स्नान, सन्ध्या, तर्पण तथा पञ्चयज्ञ	10
II	स्वस्तिवाचन, सङ्कल्प, गौरी-गणेश-पूजन तथा वरुणकलशस्थापन	10
III	षोडशोपचारपूजन, कुशकण्डिका-विधि, मण्डप-कुण्ड-निर्माण तथा होम-विधि	10
IV	रुद्राभिषेक, महामृत्युञ्जय जप तथा नवचण्डी विधान	09
	द्वितीय भाग (PART - 2)	
V	नवग्रह शान्ति, मूलगण्डान्तशान्ति, दुःस्वप्नशान्ति तथा वैधव्योपशान्ति	09
VI	प्राग्जन्म तथा जातकर्म संस्कार, अन्नप्राशन एवं चौलकर्म	09
VII	यज्ञोपवीत तथा विवाह संस्कार	09
VIII	गृहारम्भ तथा गृहप्रवेश	09

संस्तुत ग्रन्थ :

- पारस्कर गृह्यसूत्र, (सम्पा.) सुधाकर मालवीय, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
- कर्मकौमुदी, डॉ. बृजेश कुमार शुक्ल, नाग प्रकाशक, दिल्ली, 2001
- कर्मठगुरु, मुकुन्द वल्लभ मिश्र, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 2001
- आपस्तम्बीयकर्म मीमांसा, प्रयागनारायण मिश्र, प्रतिभ प्रकाशन, दिल्ली
- हिन्दू संस्कार, राजबली पांडे, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 1995
- संस्कारप्रकाश, भवानी शङ्कर त्रिवेदी, लाल बहादुर शास्त्री केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, दिल्ली
- पौरोहित्यकर्म प्रशिक्षक, उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ
- नित्यकर्म पूजा प्रकाश, गीताप्रेस गोरखपुर
- धर्मशास्त्र का इतिहास, पाण्डुरंग वामन काणे, (अनु.) अर्जुन चौबे कश्यप, प्रथम भाग, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ, 1973

This Course can be opted as an elective by the students of following subjects :

सभी के लिये उपलब्ध (OPEN TO ALL)

…….

प्रस्तावित सतत मूल्यांकन

(क) अधिन्यास (असाइनमेंट) एवं मौखिकी (मन्त्रोच्चार परीक्षा) 15 अंक

(ख) लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ / लघु उत्तरीय) 10 अंक

Course prerequisites :

सभी के लिये उपलब्ध (OPEN TO ALL)

……

Suggested equivalent online courses :

……

Further Suggestions :

……